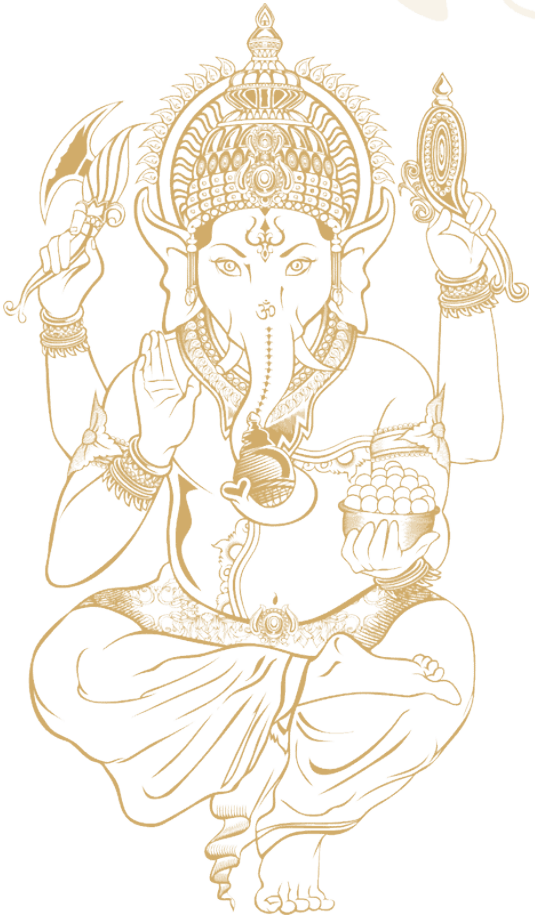

Mr.Bivanshu kumar

02 Feb 2008

07:00 PM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121023904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/02/2008**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	31:27:02 घटी
स्थान	**Bhagalpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:14:00 उत्तर
रेखांश	86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:17:56 घंटे
वेलान्तर	-00:13:38 घंटे
साम्पातिक काल	04:06:26 घंटे
सूर्योदय	06:25:11 घंटे
सूर्यास्त	17:26:29 घंटे
दिनमान	11:01:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:06:10 मकर
लग्न के अंश	10:28:39 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	10:28:39	321:33:55	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			मक	19:06:10	01:00:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	25:41:13	12:06:14	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल			मिथु	00:08:53	00:01:58	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मक	27:51:17	00:50:26	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु			धनु	16:16:19	00:12:40	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			धनु	17:22:28	01:13:55	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि	व		सिंह	12:52:14	00:04:12	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	03:50:34	00:02:19	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	03:50:34	00:02:19	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	22:44:09	00:03:00	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	27:25:13	00:02:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	06:15:09	00:01:44	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			वृष	09:39:08	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:22

लग्न-चलित

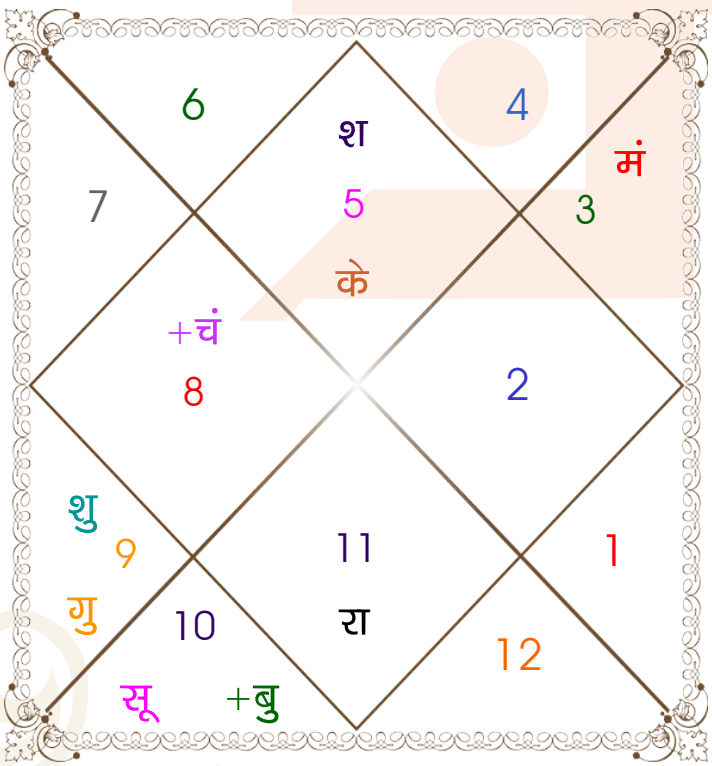

चन्द्र कुंडली

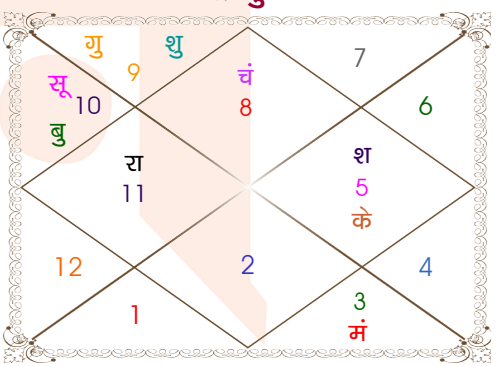

नवमांश कुंडली

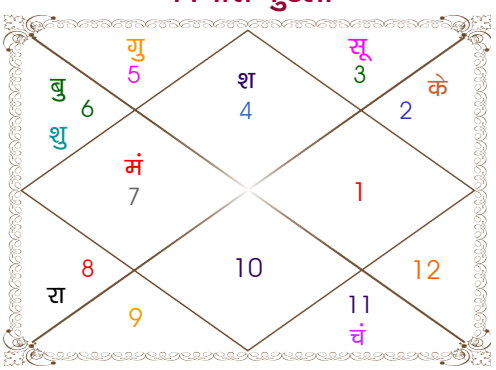

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 5 मास 30 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/02/2008		03/08/2013		03/08/2020		03/08/2040		03/08/2046	
03/08/2013		03/08/2020		03/08/2040		03/08/2046		03/08/2056	
	00/00/0000	केतु	30/12/2013	शुक्र	03/12/2023	सूर्य	20/11/2040	चंद्र	04/06/2047
	00/00/0000	शुक्र	01/03/2015	सूर्य	02/12/2024	चंद्र	22/05/2041	मंगल	03/01/2048
	00/00/0000	सूर्य	07/07/2015	चंद्र	03/08/2026	मंगल	27/09/2041	राहु	03/07/2049
	00/00/0000	चंद्र	05/02/2016	मंगल	03/10/2027	राहु	21/08/2042	गुरु	02/11/2050
	00/00/0000	मंगल	03/07/2016	राहु	03/10/2030	गुरु	10/06/2043	शनि	03/06/2052
	02/02/2008	राहु	22/07/2017	गुरु	03/06/2033	शनि	22/05/2044	बुध	02/11/2053
राहु	18/08/2008	गुरु	28/06/2018	शनि	03/08/2036	बुध	28/03/2045	केतु	03/06/2054
गुरु	24/11/2010	शनि	06/08/2019	बुध	04/06/2039	केतु	03/08/2045	शुक्र	02/02/2056
शनि	03/08/2013	बुध	03/08/2020	केतु	03/08/2040	शुक्र	03/08/2046	सूर्य	03/08/2056

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
03/08/2056		03/08/2063		03/08/2081		03/08/2097		04/08/2116	
03/08/2063		03/08/2081		03/08/2097		04/08/2116		00/00/0000	
मंगल	30/12/2056	राहु	16/04/2066	गुरु	21/09/2083	शनि	07/08/2100	बुध	31/12/2118
राहु	17/01/2058	गुरु	08/09/2068	शनि	03/04/2086	बुध	17/04/2103	केतु	28/12/2119
गुरु	24/12/2058	शनि	16/07/2071	बुध	09/07/2088	केतु	26/05/2104	शुक्र	28/10/2122
शनि	02/02/2060	बुध	02/02/2074	केतु	15/06/2089	शुक्र	26/07/2107	सूर्य	04/09/2123
बुध	29/01/2061	केतु	20/02/2075	शुक्र	14/02/2092	सूर्य	07/07/2108	चंद्र	02/02/2125
केतु	27/06/2061	शुक्र	20/02/2078	सूर्य	02/12/2092	चंद्र	06/02/2110	मंगल	30/01/2126
शुक्र	27/08/2062	सूर्य	14/01/2079	चंद्र	03/04/2094	मंगल	17/03/2111	राहु	03/02/2128
सूर्य	02/01/2063	चंद्र	15/07/2080	मंगल	10/03/2095	राहु	21/01/2114		00/00/0000
चंद्र	03/08/2063	मंगल	03/08/2081	राहु	03/08/2097	गुरु	04/08/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 5 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।